जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

15 अगस्त, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

## जामिया ने मनाया 75वां स्वतंत्रता दिवस; शोधकर्ताओं को सम्मानित किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने सभी कोविड -19 दिशा निर्देशों का पालन करते हुए 'आजादी का अमृत महोत्सव' के क्रम में आज 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया।

समारोह की मुख्य अतिथि जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने विश्वविद्यालय के डॉ. एमए अंसारी सभागार के लॉन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जहां जामिया के शिक्षण, गैर-शिक्षण कर्मचारी और महामारी के मद्देनजर सीमित संख्या में स्कूलों के छात्र एकत्र हुए और राष्ट्रगान गाया गया।

प्रोफेसर मेहताब आलम, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) ने अंसारी ऑडिटोरियम में सभी मेहमानों का स्वागत किया, जहां कुलपति ने नई पहल करते हुए, प्रोफेसर जाहिद अशरफ, अध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जामिया को 'जामिया अवार्ड ऑफ रिसर्च एक्सीलेंस' से पहली बार सम्मानित किया जोकि विश्वविद्यालय शिक्षकों के उत्कृष्ट शोध योगदान को बढ़ावा देगा। प्रो. अशरफ विजिटर्स अवार्ड-2021 के प्राप्तकर्ता हैं।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के 8 युवा शोधकर्ताओं को भी 'जामिया अवार्ड ऑफ रिसर्च एक्सीलेंस' से सम्मानित किया। ये युवा शोधकर्ता पिछले दो वर्षों में प्रधानमंत्री अनुसंधान फैलोशिप (पीएमआरएफ) के प्राप्तकर्ता हैं। 8 प्राप्तकर्ताओं में से 7 छात्राएं हैं जो छात्राओं को सशक्त बनाने में विश्वविद्यालय द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती हैं।

कुलपति ने कैफ अली, वास्तुकला स्नातक (बी आर्क) चौथे वर्ष के छात्र को भी सम्मानित किया, जिन्हें 'कोविड-19 इन्नोवेशन स्पेस एरा' के लिए प्रतिष्ठित 'डायना अवार्ड 2021' से सम्मानित किया जा चुका है। इसके लिए उन्हें प्रतिष्ठित ई एंड वाई फेलोशिप भी मिली है।

सम्मान के बाद जामिया स्कूलों के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें देशभक्ति के गीतों, कव्वाली और भाषणों पर प्रदर्शन शामिल था।

प्रो. नजमा अख्तर ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान बहुत कठिन समय से गुजरा है क्योंकि इसने अपने कई स्टाफ सदस्यों को खो दिया है लेकिन फिर भी यह अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए साहसपूर्वक आगे बढ़ा है।

कुलपति ने कहा कि जामिया की जड़ें स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी हैं और राष्ट्र निर्माण में सफलतापूर्वक योगदान दे रही हैं।
उन्होंने केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ अपनी हालिया बातचीत के बारे में बात की, जिन्होंने उन्हें देश के एक महत्वपूर्ण कौशल प्रशिक्षण केंद्र बनने के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया का समर्थन करने का आश्वासन दिया।
प्रो. अख्तर ने उच्च शिक्षा वित्त पोषण एजेंसी (एचईएफए) के समर्थन से परिसर में भौतिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए शिक्षा मंत्रालय की मंजूरी के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम का समापन जामिया के कुलसचिव डॉ. नाजिम हुसैन अल जाफरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया